ब्यौरे निम्नोक्त अनुसार हैं :-

कपास मौसम (सितम्बर-अगस्त)	मात्रा (लाख गांठों में) 170 (कि०ग्रा० प्रति गांठ)	मूल्य (करोड़ रु० में)
1988-89	0.76	72.14
1989-90	13.71	610.52
1990-91	11.88	560.10
(16-7-91 तक)		

(ग) जी, हां।

(घ) ऐसा अनुमान है कि जबकि कपास की 1 लाख गांठ के निर्यात से लगभग 50 करोड़ रु० की आय, इससे निर्मित यार्न के निर्यात से लगभग 90 करोड रु० की आय और फेब्रिक के मामले में लगभग 125 करोड़ रु० की आय हो सकती है।

(ङ) कच्ची कपास के निर्यात के लिए कोटों को रिलीज करने के उद्देश्य हैं-घरेलू बाजार में मूल्य स्थिर करना, कपास उपजकर्ताओं को लाभप्रद कीमतें प्रदान करना तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में एक स्थायी आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की उपस्थिति को बनाए रखना।

(च) सरकार का सदा ही यह प्रयास है कि मूल्य वर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाए। कपास के निर्यात के लिये कोटे रिलीज करने से पहले, घरेलू वस्त्र उद्योग को अपनी मूल्य वर्धित मदों का निर्यात करने के लिए प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उनकी सभी मांगों को पूरा करना होगा तथा हमारी मांगों की पूर्ति के बाद बची कपास का ही निर्यात करने की अनुमति होगी।

Production of Cotton

1257. SARDAR JAGJIT SINGH AURORA:

SHRI RANJIT SINGH:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the production of cotton has declined last year as compared to the production of cotton in previous years in the country;

(b) if so, what are the estimates in regard to the production of cotton in the country;

(c) whether it is also a fact that this production was just enough to meet the domestic requirement only;

(d) if so, what is the average annual requirement of cotton for Textile Mills, Handlooms, Powerlooms and other such industries making use of cotton in the country;

(e) what were the reasons for arriving at a decision to export raw cotton in spite of the fact that the production of cotton was not more than exceeding our own requirements and

(f) what is the quantum of cotton so exported during this period?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) and (b) The

production of cotton during the 1990-91 cotton season has been estimated at 115 lakh bales by the Cotton Advisory Board as against a production of 133.50 lakh bales during the 1989-90 season.

(c) to (e) After taking into account the closing stock of 30.79 lakh bales at the end of the 1989-90 season, the total availability of cotton during 1990-91 season is placed at 145.79 lakh bales. Against this, the requirement of cotton for mill consumption is placed at 109 lakh bales and that for non-mill consumption is placed at 7.50 lakh bales during the season. The objectives of releasing quotas for export of raw cotton were stabilisation of prices in the domestic market, provision of remunerative prices to the cotton growers and to maintain India's presence in the international market as a stable supplier.

(f) Government have release quotas for export of 12.55 lakh bales during the 1990-91 cotton season.

उर्दू भाषा की उन्नति

1258. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल:** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा 1990-91 के वर्ष के दौरान उर्दू भाषा की उन्नति के लिए क्या कदम उठाए गए है; और

(ख) इस प्रयोजन हेतु अनुदान की कितनी राशि स्वीकृत की गयी और किन-किन संस्थाओं को कितनी-कितनी राशि अनुदान के रूप में दी गयी?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह): (क) उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय है, ने उर्दू की प्रोन्नति के लिए अपने सतत रूप से चल रहे कार्यकलापों को जारी रखा। वर्ष 1990-91 के दौरान ब्यूरो के प्रमुख कार्यकलाप इस प्रकार थे:-

(i) उर्दू में मानविकियों, सामाजिक-विज्ञानों, शारीरिक-विज्ञानों और बाल-साहित्य के विभिन्न विषयों से सम्बन्धित शैक्षिक साहित्य का प्रकाशन;

(ii) देश के विभिन्न भागों में उर्दू सुलेख (कैलिग्राफी) प्रशिक्षण केन्द्रों की योजना को कार्यान्वित करना;

(iii) उर्दू प्रकाशन तथा अन्य संवर्धक कार्यकलाप के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता की संस्वीकृति।

केन्द्रीय भारतीय भाषा राजस्थान, मैसूर ने सीलन, पटियाला तथा लखनऊ स्थित अपने क्षेत्रीय केन्द्रों के जरिए उर्दू के अध्यापकों को प्रशिक्षण देना जारी रखा।

(ख) उर्दू प्रोन्नति ब्यूरो द्वारा जिन संस्थाओं/एजेन्सियों को सहायता-अनुदान संस्वीकृत किया गया, उनका विवरण-संलग्न विवरण में दिया गया है।

विवरण

वित्तीय वर्ष 1990-91 के दौरान विभिन्न संस्थाओं/संगठनों को मुक्त किया गया अनुदान

(लाख रु० में)

क्रम सं०	संस्था/संगठन का नाम	मुक्त किया गया अनुदान
1	2	3
1.	अखिल भारतीय उर्दू सम्मेलन, नई दिल्ली	1.00
2.	मोंटेसरी स्कूल, जयपुर	0.05
3.	मुर्तुजावीया एजुकेशनल कल्चर फाउंडेशन आफ साउथ इंडिया, मद्रास	0.11
4.	मौलाना आजाद अकादमी, उर्दू प्राच्य भाषा, मद्रास	0.02
5.	अजीज अहमद फैज स्मारक संस्थान, हैदराबाद	0.11